आईवीआरआई–क्रिस्टोस्कोप

कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केन्द्र
संयुक्त निदेशालय प्रसार शिक्षा
भाकृअनुप–भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर–243122 (उ०प्र०)

सभी गर्म मादाओं में ऋतुकाल के लक्षण एक से नहीं होते है। किसी में तीव्र व किसी में मध्यम या क्षीण लक्षण होते है। पशुपालकों को अपने पशु के इन लक्षणों का पता होना चाहिए। गाय एवं भैंस में गर्भाधान का उचित समय निर्धारण करने के लिए आईवीआरआई–क्रिस्टोस्कोप तकनीक विकसित की गयी है।

क्रिस्टोस्कोप की विशेषता

- यह तकनीक पशु में प्रजनन के अनुकूल गर्मी का पता लगाने के लिए एक फील्ड टूल के रूप में कार्य करता है।
- क्रिस्टोस्कोप के उपयोग के लिए किसी तकनीकी जानकारी की आवश्यकता नही हैं क्योंकि यह ऋतुमयी मादा की योनि से स्वच्छ पारदर्शक स्त्राव/श्लेष्मा के क्रिस्टलीकरण पैटर्न पर आधारित तकनीक हैं।
- यदि इस उपकरण द्वारा जांचकर, उचित समय पर पशु को गर्भित कराया जाता है तो गर्भाधान की संभावना अधिक रहती है।
- पशु उत्पादकता के सुधार के लिए देश में सभी राज्यों/प्रांतों में इस उपकरण का प्रयोग किया जा सकता है।
- यह पद्धति बहुत सरल है तथा किसान/पशुपालक निश्चित गर्भाधान का आकलन कर सकता है।
- आईवीआरआई क्रिस्टोस्कोप तकनीक निम्नलिखित व्यावसायिक संस्थाओं को व्यवसायीकरण हेतु दी गयी है तथा यह उपकरण बाजार में विभिन्न नामों से उपलब्ध है जैसे एच.डी.स्कोप, लाइकास्कोप, लैबस्कोप, हैरिस्कोप और रैंनस्कोप।

क्र.सं.	व्यावसायिक संस्था	ट्रेड का नाम
1.	मै. सिद्धांत ट्रेडिंग शास्त्राकार कॉम्प्लेक्स, नागपुर रोड, सिविल लाइन्स, चंद्रपुर–442401, महाराष्ट्र मोबाइल: 09822471927, ईमेल: jvraichura@yahoo.com	एच डी स्कोप
2.	मै. रैनबैक्सी इंण्डिया लि., ए–3, ओखला, इंडस्ट्री, एरिया, फेज–1, नई दिल्ली–110 020	रैनस्कोप
3.	मैं. लाईका एक्सपोर्टर्स (एनीमल हैल्थकेयर डिवीजन), 77, नहेरू रोड, विलेपारले ईस्ट, मुंबई–99, फोन: 02226105900, 02226105901, 02226170017, मोबाइल: 09548367411, 8057854444, ईमेल: lykaahad@rediffmail.com	लाइकास्कोप
4.	मै. कैटिल रैमीडीज इण्डिया लि., एफ–12, आदशर्नी प्लाजा, 91–अडचिनी, श्री अरबिंदो मार्ग, नई दिल्ली–17, फोन: 011–26567487, 41681405, 41681406, 26510406	हरीस्कोप
5.	मैं. रोहित इंटरप्राईजेज, 7–53, हितकारी बिल्डिंग नंबर 2, डी.बी. गुप्ता रोड, करोलबाग, नई दिल्ली–110 005 फोन: 011–23622400, 01123622224, मोबाइल: 09899966263, 9810185230, 9990083175, ईमेल: info@rohitenterprises.net	लैवस्कोप

उपयोग की विधि:

ऋतुमय गाय अथवा भैंस की योनि से श्लेष्मा को एक काँच की स्लाइड पर फैलायें तथा सुखा लेंवे। सुखाने के बाद, स्लाइड को क्रिस्टोस्कोप में डालें और यह सुनिश्चित कर लें कि स्लाइड पूरी तरह सूखी हुई हो। स्लाइड को स्लॉट में डालने के उपरान्त स्विच को चालू कर दें ताकि फर्न पैटर्न को देखा जा सके। क्रिस्टोस्कोप के माध्यम से तीन अलग–अलग तरह के पैटर्न देखे जा सकते है। यदि पैटर्न ना दिखे या असामान्य पैटर्न दिखे तो पशु को कृत्रिम गर्भाधान के लिए नहीं ले जाना चाहिए। सामान्य फर्न पैटर्न की उपस्थिति मध्य गर्मी का एक बहुत अच्छा संकेत है जो उच्च गर्भाधारण दर प्राप्त करने के लिए सबसे उचित समय है।

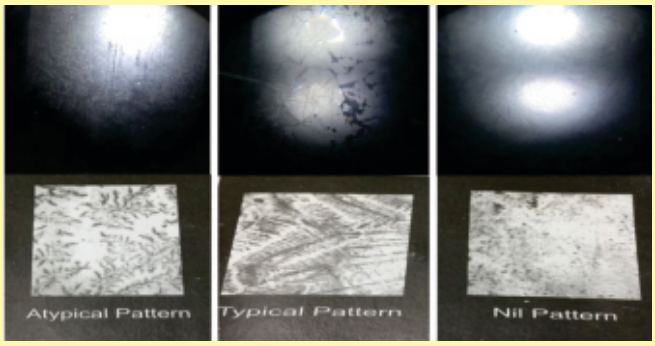

क्रिस्टोस्कोप की उपलब्धता

बाजार में यह उपकरण उपर्युक्त सभी नामो से उपलब्ध है। इसे प्राप्त करने के लिए आप अपने नजदीकी दवा की दुकान अथवा पशु आहार विक्रेता इत्यादि से संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा इसे प्राप्त करने के लिए आप उपकरण निर्माता कंपनी से भी संपर्क कर सकते हैं, जिसका पता ऊपर दिया गया है।

संरक्षण : **डॉ. त्रिवेणी दत्त**, निदेशक एवं कुलपति (कार्यकारी), भाकृअनुप–भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर–243 122 (उ.प्र.)
मार्गदर्शन : **डॉ. हरेन्द्र कुमार**, संयुक्त निदेशक (प्रसार शिक्षा) एवं **डॉ. महेश चन्द्र**, विभागाध्यक्ष (प्रसार शिक्षा विभाग), भाकृअनुप–भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर–243 122 (उ.प्र.)
लेखक : **डॉ. हरेन्द्र कुमार**, संयुक्त निदेशक, प्रसार शिक्षा, भाकृअनुप–भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर–243 122 (उ.प्र.)
डॉ. रूपसी तिवारी, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी एटिक, भाकृअनुप–भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर–243 122 (उ.प्र.)
अधिक जानकारी हेतु संपर्क: आई.वी.आर.आई. हेल्पलाइन, 0581–2311111, किसान कॉलसेन्टर: 1800–180–1551, आई०वी०आर०आई० वेबसाइट: www.ivri.nic.in
प्रकाशन का वर्ष: 2021